

नटी स्त्री. (तत्.) 1. अभिनेत्री 2. नट जाति की स्त्री 3. नर्तकी 4. सूत्रधार की सहधर्मिणी।

नटेश पुं. (तत्.) दे. नटेश्वर उदा. 'देखा मनु ने नर्तित नटेश' -प्रसाद।

नटेश्वर पुं. (तत्.) 1. महादेव, शिव 2. श्रीकृष्ण।

नठना स.क्रि. (तद्.) नष्ट करना अ.क्रि. नष्ट होना उदा. 'नठे लोक दोऊ हठी एक जैसे' -केशव।

नड पुं. (तत्.) 1. पानी में उगने वाला एक पौधा जिसके तने से लिखने वाली कलम बनाई जाती थी, नरसल, नरकट 2. एक ऋषि, जिनके नाम से गोत्र प्रवर्तित है 3. चूड़ी बनाने का कार्य करने वाली एक जाति पुं. (तद्.) नाला।

नडक पुं. (तत्.) 1. कंधे की हड्डी 2. हड्डी के अंदर का नलीनुमा खोखला भाग या छिद्र।

नडनेरि पुं. (तत्.) एक प्रकार का नृत्य।

नडभक्त पुं. (तत्.) नरसल की बहुतायत वाला क्षेत्र।

नडमीन पुं. (तत्.) झींगा नामक मछली।

नडश वि. (तत्.) नरकट से भरा हुआ (तालाब या नदी)।

नडिनी स्त्री. (तत्.) वह नदी जिसमें नरकट, सरपत आदि घास अधिकता से हो।

नडी स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की आतिशबाजी।

नडीच पु. (तत्.) पटुआ नामक साग।

नडवल पुं. (तत्.) 1. सरपत घास से बुनी हुई चटाई 2. ऐसा क्षेत्र जहाँ सरपत आदि जलीण घास प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हो 3. एक वैदिक देवता।

नडवला स्त्री. (तत्.) 1. (पुराण) वैराज मनु की स्त्री का नाम 2. सरपत की राशि या ढेरी।

नडना स.क्रि. (तद्.) 1. गूंथना-पिरोना 2. बांधना, कसना उदा. 'छोटउ जन बैकुंठ जात कोलयी परिकर नडन' -देव।

नत वि. (तत्.) 1. मुड़ा हुआ या झुका हुआ (वृक्ष, खंभा आदि) 2. विनय संपन्न, नम्र, नमनशील

(मनुष्य) 3. हारा हुआ, पराजित पुं. मध्याह्न रेखा से ग्रह के दूरस्थ होने की माप या दूरी आयु. तगर नामक मूल-औषधि।

नतकुर पुं. (देश.) बेटी का बेटा, नाती, धेवता, बेटी की संतान।

नतगुल्ला पुं. (देश.) घोंघा।

नतघटिका स्त्री. (तत्.) एक घंटा या घड़ी का कोण।

नतद्रुम पुं. (तत्.) शाल वृक्ष का एक प्रकार जिसे लता शाल कहते हैं।

नतनाडी/नाडिका स्त्री. (तत्.) 1. खमध्य से किसी तारे की कालगत दूरी 2. मध्याह्न के बाद और अर्द्धरात्रि के बीच जन्म की घड़ी या काल।

नतनासिक वि. (तत्.) चपटी नाक वाला (प्राणी)।

नतभु वि. (तत्.) तिरछी भौहों वाली स्त्री।

नतमी स्त्री. (देश.) असम (आसाम) प्रदेश में बहुतायत से होने वाला वृक्ष जिसकी लकड़ी चिकनी, मजबूत और लाल होती है, जिससे मेज, कुर्सी, नाव जैसी चीजे बनती हैं।

नतर वि. (तत्.) निरंतर, नित्य, हमेशा।

नतरस पुं. (तत्.) काव्य. काव्य के नौ रस।

नतशिर वि. (तत्.) विनम्र, विनीत, जिसका सिर झुका हो, नमस्तक, पराजित।

नतांग वि. (तत्.) 1. जिसका शरीर झुका हो 2. झुका हुआ, नत।

नतांगी स्त्री. (तत्.) 1. स्त्री, महिला, औरत 2. लज्जायुक्त स्त्री, विनीता।

नतांश पुं. (तत्.) जिस वृत्त का केंद्र भूकेंद्र हो और जो विषुवत रेखा पर लंब हो, इससे ग्रहों की स्थिति के निश्चय में सहायता मिलती है।

नतामुल पुं. (देश.) पश्चिमी घाट पर्वत पर होने वाला वृक्ष जिसकी लकड़ी नर्म, रेशे मजबूत होते हैं जिससे फर्नीचर और रस्सी बनाते हैं, इसकी जहरीली पत्ती से जहरीले तीर बनाते हैं।